'नीतीश सेतु' और एनडीए की अटूट साझेदारी बिहार के समग्र विकास का परिचायक

-कौशलेन्द्र-

बिहारशरीफ। बिहार के बुनियादी ढांचे और विकास यात्रा में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। गंगा नदी पर नवनिर्मित बहुप्रतीक्षित 'कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल' को अब 'नीतीश सेतु' के नाम से जाना जाएगा। यह महज कंक्रीट और लोहे से बना ढांचा नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाली विकास की एक नई जीवनरेखा है।

गंगा नदी के सीने पर बिहार में पहले से ही तीन प्रमुख पुल मौजूद हैं, जो देश की महान विभूतियों को समर्पित हैं—राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर %गांधी सेतु%, संपूर्ण क्रांति के प्रणेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर %जेपी सेतु% और देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नाम पर %राजेंद्र सेतु%। इन महापुरुषों ने भारतीय इतिहास और समाज निर्माण में अपना अद्वितीय योगदान दिया है। अब इन ऐतिहासिक पुलों के समानांतर %नीतीश सेतु% का नामकरण एक गहरा प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक अर्थ रखता है।

गांधी, जेपी और राजेंद्र बाबू जैसी युगप्रवर्तक हस्तियों की कतार में नीतीश कुमार के नाम का जुड़ना, आधुनिक बिहार के नवनिर्माण और उनके %समग्र विकास% मॉडल की एक बड़ी स्वीकृति है। नीतीश कुमार का योगदान केवल सड़कों और पुलों तक सीमित नहीं है। खस्ताहाल बिहार को 'सुशासन' के ट्रैक पर लाना, 'हर घर बिजली' और 'हर घर नल का जल' पहुंचाना, पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देना और बालिकाओं के लिए साइकिल-पोशाक योजना जैसे दूरदर्शी कदमों ने बिहार की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर को पूरी तरह बदल कर रख दिया है।

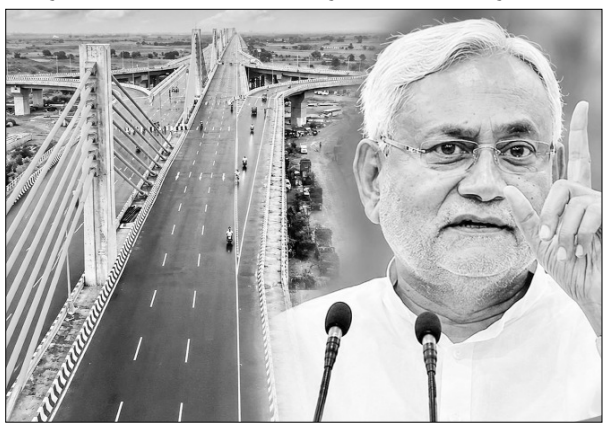

इस ऐतिहासिक नामकरण के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भूमिका और राजनीतिक परिपक्वता भी विशेष उल्लेख के योग्य है। भाजपा ने खुले दिल से नीतीश कुमार के राज्य निर्माण के भगीरथ प्रयासों को स्वीकारा है और उन्हें उसी उच्च श्रेणी का राजनेता माना है, जिसमें देश के महान पुरोधा गिने जाते हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता सम्राट चौधरी सहित अन्य शीर्ष नेताओं के समर्थन और प्रयासों से ही यह उपलब्धि साकार हो सकी है। सम्राट चौधरी और भाजपा नेतृत्व ने यह साबित कर दिया है कि वे विकास के नायकों का सम्मान करना जानते हैं। गठबंधन में रहते हुए भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री के कार्यों को यह ऐतिहासिक सम्मान देना, दोनों दलों के बीच आपसी विश्वास और बिहार के प्रति उनके साझा संकल्प को दर्शाता है।

भौगोलिक दृष्टि से, छह लेन वाला यह महासेतु राजधानी पटना को सीधे वैशाली और उत्तर बिहार से जोड़ेगा, जिससे यातायात सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

आने वाले समय में, जब भी कोई यात्री गंगा नदी को पार करते हुए गांधी, जेपी और राजेंद्र सेतु के साथ %नीतीश सेतु% से गुजरेगा, तो वह न केवल नदियों के दो किनारों के मिलन को देखेगा, बल्कि उस दूरदृष्टि को भी महसूस करेगा जिसने बिहार को एक नए युग में प्रवेश कराया। %नीतीश सेतु% अब केवल एक पुल नहीं, बल्कि बिहार के समग्र विकास और भाजपा-जदयू (राजग) की मजबूत साझेदारी का एक स्थायी स्मारक बन गया है।

नितिन नवीन के आवास पर महाप्रसाद खाने पहुंचे गवर्नर-सीएम

पटना(आससे)। लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना के पावन अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पटना स्थित 3, टेलर रोड आवास पर पारंपरिक विधि-विधान से खरना पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छठ महापर्व की पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक मान्यताओं का विशेष ध्यान रखते हुए खरना का प्रसाद तैयार किया गया।

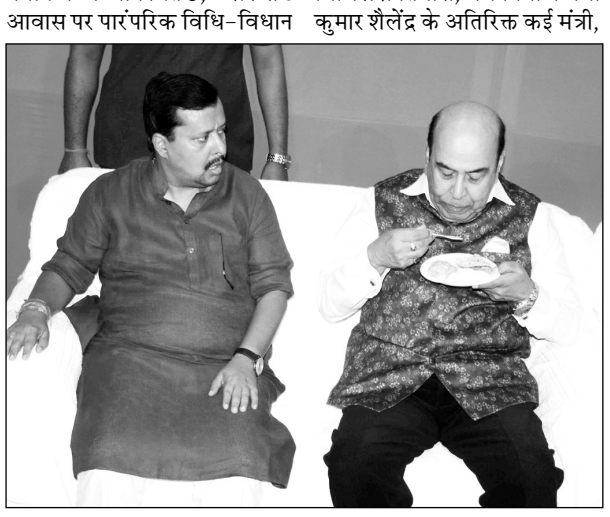

पूरे आवासीय परिसर में भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। विदित हो कि नितिन नवीन स्वयं भी उपवास रखते हैं।

राज्यपाल सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेंद्र के अतिरिक्त कई मंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, कई सांसद, विधायक व विधान पार्षद के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने नितिन नवीन से प्रसाद ग्रहण किया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि छठी मइया से कामना करते हैं कि बिहार सहित पूरे देश के सभी लोग स्वस्थ एवं निरोग रहें। सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनी रहे।

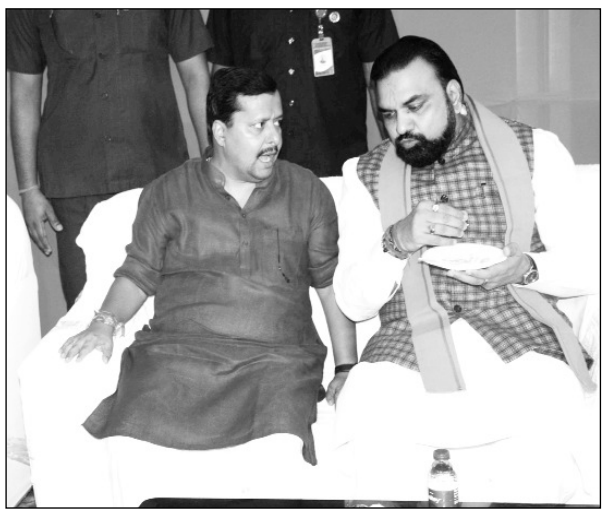

चहुंमुखी विकास हो तथा हमारा देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे। इस पावन अवसर पर उन्होंने समस्त देशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि महान छठ पर्व के दूसरे दिन खरना प्रसाद ग्रहण किया जाता है। बिहार के लोग इस कठिन और कठोर व्रत को जिस तरह से मनाते हैं, वह इसके रीति-रिवाजों को एक विशेष महत्व देता है। जहां यह पर्व शुद्धता, पवित्रता, अनुशासन और साफ-सफाई पर बहुत जोर देता है, वहीं इसमें माताओं और बहनों की भागीदारी—अक्सर पारंपरिक लोक गीतों के साथ—इसे और भी समृद्ध बनाती है।



मंत्री नीतीश मिश्रा के आवास पर खरना का प्रसाद ग्रहण करते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।



केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के घर महाप्रसाद खाने पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी।

अनंत सिंह छठ पर अक्षरा सिंह के घर पहुंचे

खरना प्रसाद लिया, एक्ट्रेस को बेटी की शादी में बुलाया

पटना (आससे)। मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह शनिवार को छठ पूजा के मौके पर भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के घर पहुंचे। उन्होंने अक्षरा के पटना स्थित घर पर खरना प्रसाद ग्रहण किया। मोकामा विधायक कुछ देर एक्ट्रेस के घर बैठे और परिवार के लोगों से बात की। इस दौरान अक्षरा सिंह के पिता विपिन इंद्रजीत सिंह भी मौजूद रहे। अनंत सिंह ने अपनी बेटी शिवांगी की 25 नवंबर को होने वाली शादी में अक्षरा सिंह को आमंत्रित भी किया।

अक्षरा सिंह के घर पर मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने कहा कि वह छठ का प्रसाद खाने आए थे। प्रसाद खाकर जा रहे हैं। विधायक ने कहा कि उन्होंने अक्षरा सिंह को बेटी की शादी में निमंत्रण दिया है और वह आएंगी। अनंत ने वहां मौजूद पत्रकारों से भी कहा कि सभी लोग 25 नवंबर को शादी में आएं। किसी का कार्ड गलती से छूट गया तो माफ करें।

मोकामा विधायक ने कहा कि शादी में निमंत्रण के लिए किसी कार्ड की जरूरत नहीं है। वहां कोई सिनेमा नहीं है, जो टिकट दिखाना होगा। शादी में सब लोग आएंगे। किसी कार्ड की जरूरत नहीं है। अनंत सिंह ने लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के चलते वह इस बार छठ पर सभी को जगह नहीं जा रहे हैं, सिर्फ एक-दो जगह आए हैं।



मशहूर भोजपुरी सिंगर एवं एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पटना में छठ पूजा के मौके पर खास आयोजन कर रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व सीएम नीतीश कुमार एवं लालू प्रसाद यादव से लेकर कई मंत्रियों और नेताओं को छठ पर अपने यहां बुलाया है। उन्होंने मोकामा विधायक अनंत सिंह को भी छठ पूजा का न्योता दिया था। अक्षरा बीते 5 नवंबर को अनंत सिंह के आवास पर उनसे मुलाकात की थी। इस दौरान विधायक से आशीर्वाद लेते उनका फोटो सोशल मीडिया पर शेयर हुआ था।

जवाहर लाल नेहरू का देश की आजादी और विकास में योगदान सदैव याद किया जायेगा : नीतीश

पटना (आससे)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू का देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान रहा। आजादी के बाद उन्होंने देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने में लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये। शिक्षा, विज्ञान, उद्योग और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी अहम् भूमिका रही।

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने आधुनिक भारत के निर्माण के लिए जो प्रयास किए, वे देश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनके विचार और देश के प्रति उनका समर्पण हमेशा याद किया जाएगा। साथ ही नीतीश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में नेहरू जी के योगदान को आनेवाली पीढ़ियां भी सम्मान के साथ स्मरण करती रहेंगी।

बिहार में खुलेंगी 44 हाईटेक गन्ना नर्सरी

पटना (आससे)। राज्य में गन्ने की खेती को बढ़ावा देने के लिए 44 हाईटेक गन्ना नर्सरी बनाने की पहल हो रही है। गन्ना उद्योग विभाग पहली बार यह योजना लेकर आया है, जिसमें अनुदान का प्रावधान भी है।

इन नर्सरियों के जरिये प्रति वर्ष कुल 2.20 करोड़ उन्नत और रोगमुक्त गन्ना के बीज-पौधे तैयार करने का लक्ष्य है। सिंगल बड प्लांटलेट्स (एसबीपी) तकनीक स प्रत्येक नर्सरी में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख पौधे तैयार होंगे।

बहरहाल चार स्थलों पर नर्सरी बनाने का काम तेजी से चल रहा है। उनमें से एक पटना और दूसरा जमुई जिला में है। दो नर्सरियां मुजफ्फरपुर जिला में प्रस्तावित हैं। अभी बिहार में लगभग 2.25 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती हो रही है। नर्सरियों के जरिए गैर-चीनी मिल क्षेत्रों में भी गन्ने की खेती का विस्तार किया जाएगा। प्रस्तावित 25 नई चीनी मिलों की स्थापना और बंद पड़ी पुरानी मिलों को पुन: चालू करने के लिए पर्याप्त कच्चा माल (गन्ना) चाहिए।

ऐसे में इन नर्सरियों के जरिये किसानों को स्थानीय स्तर पर कम लागत में रोगमुक्त और उच्च गुणवत्ता वाले गन्ना बीज (पौधे) उपलब्ध कराए जाएंगे।

दूसरा उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर नर्सरी संचालन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना और स्थानीय युवाओं व महिलाओं को रोजगार देना है।

इन नर्सरियों को निजी-जन भागीदारी (पीपीपी) माडल पर विकसित किया जा रहा है। प्रगतिशील किसान, जीविका समूह, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), स्वयं सहायता समूह, निजी उद्यमी, चीनी मिलें और गुड़ उद्यमी इसके लिए पात्र हैं। पात्र आवेदक बिहार केन केयर पोर्टल के माध्यम से आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एक नर्सरी पर कुललागत 15 लाख रुपये अनुमानित है। 44 नर्सरियों के लिए यह राशि 6.60 करोड़ रुपये बनती है।

सरकार 75 प्रतिशत तक अनुदान दे रही, जो अधिकतम 11.25 लाख रुपये प्रति नर्सरी है नर्सरी की स्थापना और भौतिक सत्यापन के बाद गन्ना उद्योग विभाग द्वारा अनुदान राशि तीन किस्तों में जारी किए जाने का प्रावधान है।

प्रो. रणवीर नंदन के आवास पर कई लोगों ने खाया महाप्रसाद

पटना (आससे)। लोक आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना के पावन अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो.डा.रणवीर नंदन के आवास पर भक्तिमय वातावरण बना रहा।

प्रो.रणवीर नंदन के छोटे भाई रणधीर नंदन की पत्नी मोनिका नंदन ने विधि-विधान पूर्वक खरना का व्रत रखा। दिन भर निर्जला उपवास के बाद संध्या बेला में उन्होंने गुड़ की खीर, रोटी और केले का प्रसाद बनाकर पहले छठी मैया को भोग लगाया और फिर प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद से उनका ३६ घंटे का निर्जला महाव्रत प्रारंभ हो गया।

खरना प्रसाद ग्रहण करने के लिए आवास पर कई गण्यमान्य लोग, संत- महात्मा, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा-जदयू के कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने खरना का प्रसाद ग्रहण कर व्रती का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर प्रो. रणवीर नंदन ने कहा, 'खरना छठ महापर्व की आत्मा है। शुद्धता और संयम का यह व्रत हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति में ही शक्ति है। मैं छठी मैया से प्रार्थना करता हूं कि वे सभी व्रतियों का व्रत पूर्ण करें और बिहार में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखें।'

पूरे आवास परिसर में छठ के पारंपरिक गीतों 'केरवा जे फरेला घवद से' की गूंज से श्रद्धालुओं का मन भावविभोर हो गया।



मंगल पांडेय के घर खरना का प्रसाद खाने पहुंचे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी



खरना के अवसर पर छठी मइया से आशीर्वाद लेते स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार

शिक्षा मंत्री के आवास पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री ने ग्रहण किया खरना का प्रसाद

पटना (आशिप्र)। आस्था के महापर्व छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन शनिवार को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आवास पर आम से लेकर खास लोगों का जुटान हुआ। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर एवं स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार समेत कई नेता खरना का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। शिक्षा मंत्री की पत्नी छठ व्रत कर रही हैं। इस दौरान शिक्षा मंत्री श्री तिवारी ने आवास पर पहुंचे सभी लोगों का आत्मीय स्वागत किया और अपने हाथों से खरना का प्रसाद वितरित किया। इस दौरान पूरा माहौल छठ की आस्था, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहा। शिक्षा मंत्री ने छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और परिवार एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराता है। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग, शुभचिंतक और परिवारजन मौजूद थे।

छठ पर लालू, राबड़ी और तेजस्वी ने दीं शुभकामनाएं

पटना (आससे)। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष सह राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने देशवासियों एवं बिहारवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। नेताओं ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छठी मैया की असीम कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली बनी रहे। आस्था, श्रद्धा और समर्पण का यह पावन पर्व हमारी संस्कृति एवं समृद्ध परंपराओं के प्रति विश्वास को और मजबूत करे। शुभकामनाएं देने वालों में सांसद डॉ. मीसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, जगदानंद सिंह, उदय नारायण चौधरी, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित अन्य नेताओं ने कामना किया कि छठी मैया के आशीर्वाद से सभी के घर-परिवार में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहे।

छठ महापर्व सभी के जीवन में सुख-शांति लेकर आये : कुशवाहा

पटना (आससे)। जनता दल यू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर समस्त राज्य वासियों तथा देश-विदेश में रह रहे सभी बिहारवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने भगवान सूर्य और छठी मैया से प्रार्थना करते हुए कहा कि यह महापर्व संपूर्ण बिहारवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, हर्षोल्लास और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। साथ ही, उन्होंने राज्य के विकास और प्रगति की कामना करते हुए सभी श्रद्धालुओं से इस पवित्र पर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और पूरे भक्तिभाव के साथ मनाने की अपील की है।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. **T-PGMS-GSU-2026-27-01** CAO/CON/RSP/MHX भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई-निविदा' आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि 10/12/2026 को 15:00 बजे तक निर्धारित है। ई-निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है। **1.Name of Work:** Consultancy work for Project General Management Services (PGMS) for supervision of Project /contract works in the jurisdiction of CAO/C/RSP /East Central Railway **2.Advertised Value (Rs.):** 1927931945.09 **3.Earnest Money / Bid Security (Rs.):** 38558700.00 **4.Date and Time of the Pre-Bid Conference:** 19/11/2026, 11:45 Hrs.**5.Tender Closing Date Time:** 10/12/2026, 15:00 Hrs. उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार-किसी भी निविदा को स्थगित करने / निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। उप मुख्य परियोजना प्रबंधक गतिशक्ति/ पूर्व मध्य रेल, सोनपुर

पीआर/1344/एसईई-जीएस/जीएस/टी/26-27/32

जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार
बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति
राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार
बिहार सरकार
तृतीय तल, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800 021, दूरभाष: +91-612-250 4980, फैक्स: +91-612-250 4960, वेबसाइट: www.brips.in

बिहार सरस मेला, गाँधी मैदान दिसंबर 2026

1. बिहार सरस मेला का आयोजन गाँधी मैदान, पटना में दिनांक 12 दिसंबर से 28 दिसंबर 2026 तक प्रस्तावित है।
2. मेला में गैर स्वयं सहायता समूह (स्वरोजगारी) के स्टॉल आवंटन हेतु इच्छुक स्वरोजगारियों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किया जाएगा।
3. इस मेले में भाग लेने हेतु Individual Enterprise/स्वरोजगारी के आवेदकों द्वारा जीविका के वेबसाइट (mis.brlps.in/sarasmela) पर बिहार सरस मेला 2026 में स्टॉल आवंटन हेतु उपरोक्त लिंक पर दिनांक 14 नवंबर 2026 से 25 नवंबर 2026 तक आवेदन किया जा सकेगा।
4- Individual Enterprise/स्वरोजगारी के स्टॉल आवंटन हेतु अर्हता एवं अन्य विस्तृत जानकारी जीविका के वेबसाइट पर उपलब्ध है।
5. गलत जानकारी, Proxy Operation (किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संचालन), की संलिप्तता, अनाधिकृत पुनर्विक्रय, अवैध कब्जा, दबाव, धमकी, हिंसा अथवा चयन/आवंटन प्रक्रिया में अनुचित हस्तक्षेप की स्थिति में आवेदन/आवंटन रद्द किया जा सकता है तथा नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।
6. आवेदन अवधि समाप्त होने के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
7. चयनित स्वरोजगारियों द्वारा स्टॉल आवंटन की राशि जीविका द्वारा दिए गये आधिकारिक भुगतान पोर्टल के माध्यम से जमा किया जाएगा। जिसकी विवरणी चयनित सूची के साथ जीविका के वेबसाइट पर प्रकाशित की जायेगी।
8. खाद्य सामग्री से संबंधित स्टॉल के आवेदकों के पास वैध FSSAI पंजीकरण/लाइसेंस एवं उनके व्यवसाय तथा प्रस्तावित खाद्य उत्पादों के लिए लागू अन्य सभी आवश्यक अनुमतियाँ होना अनिवार्य होगा। उक्त पंजीकरण/लाइसेंस को स्टॉल पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।
9. फर्नीचर, कालीन एवं टेराकोटा वाले स्वरोजगारी मेले में आवंटित स्थान के अलावा गाँधी मैदान के किसी भी क्षेत्र में अपने उत्पाद को नही रखेंगे।

(हिमांशु शर्मा)
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

PR. No. 015565 (B & C) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।



पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी व अन्य।

सभी व्रतियों की मनोकामनाएं पूर्ण हों : ललन सर्राफ

पटना (आससे)। लोक आस्था का महापर्व छठ के दूसरे दिन खरना के अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ ने प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री सर्राफ ने अपने संदेश में कहा कि खरना का पर्व पवित्रता, संयम, त्याग और अटूट आस्था का प्रतीक है। छठ महापर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की भावना को दर्शाता है। यह पर्व हमें आत्मानुशासन, स्वच्छता और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। उन्होंने भगवान भास्कर एवं छठी मैया से प्रार्थना की कि सभी व्रतियों की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश एवं देश में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

बिहार के विधायकों को अब बाजार से सस्ते दाम में नमक, तेल और राशन खरीदने की मिलेगी सुविधा

पटना (निप्र)। बिहार में विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं की सूची में अब एक और नई व्यवस्था जुड़ गई है। वेतन, भत्ते, सरकारी बंगले, मुफ्त यात्रा और इलाज जैसी सुविधाओं के बाद अब विधायकों को रोजमर्रा के घरेलू सामान भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें नमक, तेल और राशन जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं। इसके लिए बिहार विधान मंडल परिसर में एक विशेष उपभोक्ता सहकारी समिति का गठन किया गया है। यानी अब विधायकों और विधानसभा के कर्मचारियों को घरेलू जरूरतों का सामान बाजार की तुलना में सस्ती दरों पर खरीदने की सुविधा मिलेगी।

दरअसल, बिहार विधान मंडल उपभोक्ता सहकारी समिति लिमिटेड का निबंधन कराया गया है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य विधान मंडल के सदस्यों और कर्मचारियों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं उचित और रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है। इसके तहत घरेलू जरूरत के सामान की बिक्री के लिए व्यवस्था की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि सहकारी समिति की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य विधायकों और कर्मचारियों को घरेलू उपयोग की वस्तुएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है। इसके लिए विधान भवन के उप भवन स्थित कमरा नंबर जी-1 में व्यवस्था की गई है।बिहार में विधायकों को वेतन और भत्तों के अलावा कई तरह की विशेष सुविधाएं मिलती हैं। राजधानी पटना में रहने के लिए उन्हें सुसज्जित सरकारी आवास या डुप्लेक्स बंगला उपलब्ध कराया जाता है। आवास में फर्नीचर और साज-सज्जा के लिए पूरे कार्यकाल में 25 हजार रुपये का एकमुश्त भत्ता भी दिया जाता है। इसके अलावा पानी मुफ्त मिलता है, जबकि बिजली, फोन और इंटरनेट खर्च पर निर्धारित रियायत की व्यवस्था है।विधायकों को यात्रा के लिए भी विशेष सुविधा मिलती है। उन्हें और उनके सहयात्री को देशभर में रेल या हवाई यात्रा के लिए सालाना चार लाख रुपये तक के यात्रा कूपन दिए जाते हैं। इसके अलावा नई गाड़ी खरीदने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपये तक कम ब्याज दर पर सरकारी ऋण लेने की सुविधा भी उपलब्ध है।स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत विधायकों और उनके आश्रित परिजनों को सरकारी या मान्यता प्राप्त अस्पतालों में मुफ्त अथवा रियायती दर पर इलाज की सुविधा मिलती है। सुरक्षा के लिहाज से जरूरत और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार बॉडीगार्ड तथा सुरक्षा कर्मी भी उपलब्ध कराए जाते हैं। वहीं, अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की अनुशंसा के लिए प्रत्येक विधायक को सालाना चार करोड़ रुपये की क्षेत्रीय विकास निधि भी मिलती है। इस राशि को जिला प्रशासन के माध्यम से विकास योजनाओं पर खर्च किया जाता है।इस नई व्यवस्था के बाद विधायकों और विधान मंडल के कर्मचारियों को रोजमर्रा की खरीदारी के लिए बाजार पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उपभोक्ता सहकारी समिति के माध्यम से उन्हें जरूरी सामान रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की योजना है। हालांकि, सामान की कीमतों, बिक्री शुरू होने की तारीख और रियायत की वास्तविक दरों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।